हिंदी विभाग

राजकीय महाविद्यालय निरमंड ज़िला कुल्लू

सीबीसीएस (CBCS) के अंतर्गत स्नातक स्तरीय हिंदी पाठ्यक्रम के ध्येय एवं उद्देश्य

पाठ्यक्रम के सामान्य ध्येय एवं उद्देश्य -

- हिंदी भाषा के मानक रूप को जानने, लिखने और बोलने के लिए विद्यार्थियों को तैयार करना।
- हिंदी साहित्य के विभिन्न कालों के साथ-साथ विशिष्ट कवियों और लेखकों के जीवन और साहित्य से परिचित करवाना।
- विद्यार्थियों को खड़ी बोली के साथ-साथ हिंदी की विभिन्न बोलियों और शैलियों जैसे अवधी, मैथिली, ब्रजभाषा, सधुक्कड़ी आदि से परिचित करवाना।
- विद्यार्थियों को साहित्य की विभिन्न विधाओं जैसे कविता, नाटक, उपन्यास, कहानी, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोर्ताज और अनूदित साहित्य के संबंध में तथ्यात्मक जानकारी प्रदान करना।
- विद्यार्थियों से हिंदी साहित्य की कुछ महत्वपूर्ण गद्य और पद्य रचनाओं का पठन-पाठन व विश्लेषण करवाना।
- अनुवाद और कार्यालयी हिंदी की महत्ता और कंप्यूटर पर हिंदी भाषा के अनुप्रयोग के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करना।
- दैनिक जीवन में काम आने वाली प्रयोजनमूलक हिंदी भाषा से विद्यार्थियों को परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम के विशिष्ट ध्येय एवं उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को मानसिक और मनोवैज्ञानिक रूप से साहित्य के आस्वादन के लिए तैयार करना।
- विद्यार्थियों को साहित्य की विभिन्न विधाओं में मौलिक लेखन के लिए प्रेरित करना और विभिन्न प्रसंगों के संक्षेपण और पल्लवन के लिए कौशल प्रदान करना।
- विद्यार्थियों को अपने विचारों और भावनाओं को मानक हिंदी भाषा में लिखने के लिए प्रेरित करना।
- हिंदी भाषा और साहित्य तथा इससे जुड़े क्षेत्रों में शोध करने या करियर बनाने के लिए छात्रों को तैयार करना।
- अभिव्यक्ति के दोनों माध्यमों (मौखिक और लेखन) में प्रभावी संचार की कुशलता प्रदान करना।
- छात्रों को प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में उच्च शिक्षा (स्नातकोत्तर और उससे ऊपर) के लिए जागरूक और सशक्त बनाना।
- प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे स्नातकोत्तर हिंदी प्रवेश परीक्षा, नेट, सेट, स्कूल प्रवक्ता, हिंदी अनुवादक आदि के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक बनाना और व्यक्तिगत दिग्दर्शन व पाठ्य सामग्री द्वारा उनकी सहायता करना।

Principal
GDC Nirmand

प्रत्येक पर्चे का ब्यौरा और ध्येय / उद्देश्य –

स्नातक प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम

कोर्स का नाम	कोड	क्रेडिट	ध्येय/उद्देश्य/परिणाम
प्रयोजनमूलक हिंदी (Core Compulsory)	HIND101	6	विद्यार्थी पत्र लेखन, प्रारूपण, टिप्पण व प्रतिवेदन के व्यावहारिक पक्ष पर प्रकाश डाल सकेंगे और मुहावरे, लोकोक्ति, शब्द-प्रयोग, पारिभाषिक शब्दावली, कार्यालयी हिंदी व अनुवाद और कंप्यूटर में हिंदी के प्रयोग से जुड़ी जानकारी को व्यवहार में ला सकेंगे।
हिंदी साहित्य का इतिहास (DSC-1A)	HIND102	6	विद्यार्थी हिंदी साहित्य के विविध कालों यथा आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल और आधुनिक काल की विविध काव्यधाराओं, प्रमुख कवियों तथा प्रत्येक काल की राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों का विवेचन और विश्लेषण करने में सक्षम होंगे तथा विभिन्न कालों से जुड़े तथ्यों को बता पाने में समर्थ होंगे।
मध्यकालीन हिंदी कविता (DSC-1B)	HIND103	6	विद्यार्थी मध्यकाल के प्रसिद्ध कवियों कबीर, सूरदास, तुलसीदास, मीराबाई, रसखान, बिहारी, भूषण और घनानंद के जीवन तथा कृतियों से जुड़े तथ्य बता सकेंगे और इनकी काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डाल सकेंगे। इसके अलावा इन कवियों की कुछ काव्य-रचनाओं की व्याख्या कर सकेंगे और केंद्रीय भाव को भी स्पष्ट कर पाएँगे।
हिंदी भाषा और सम्प्रेषण (AECC-2)	HIND104	4	विद्यार्थी भाषा की परिभाषा, प्रकृति और उसके विविध रूपों को आत्मसात करेंगे तथा उपसर्ग, प्रत्यय, समास, स्वर, व्यंजन, उच्चारण स्थान का विश्लेषण करने के साथ-साथ भाषा सम्प्रेषण के विविध रूपों पर भी प्रकाश डाल सकेंगे।

स्नातक द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम -

कोर्स का नाम	कोड	क्रेडिट	ध्येय/उद्देश्य/परिणाम
अनिवार्य हिंदी रचना पुंज (Core Compulsory)	HIND201	6	विद्यार्थी कबीर, घनानंद, निराला, बालकृष्ण शर्मा नवीन, अज्ञेय, मुक्तिबोध, धूमिल की कुछ काव्य रचनाओं की व्याख्या करने में सक्षम होंगे और प्रेमचन्द, मोहन राकेश, काशीनाथ सिंह, उदय प्रकाश, महादेवी वर्मा, दिनकर, श्रीलाल शुक्ल की एक-एक गद्य रचना का पाठ-विश्लेषण कर सकेंगे व केंद्रीय भाव भी स्पष्ट कर पाएँगे।
आधुनिक हिंदी कविता (DSC-1C)	HIND202	6	विद्यार्थी आधुनिक काल के प्रसिद्ध कवियों भारतेंदु हरिश्चंद्र, हरिऔध, मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, निराला, अज्ञेय, नागार्जुन, नरेश मेहता के व्यक्तिगत परिचय व काव्य-कृतियों से जुड़े तथ्य बता पाने में सक्षम होंगे और इन सभी कवियों की कुछ काव्य-रचनाओं की व्याख्या भी कर पाएँगे और केंद्रीय भाव पर भी प्रकाश डाल सकेंगे।
हिंदी गद्य साहित्य (DSC-1D)	HIND203	6	विद्यार्थी जैनेन्द्र कुमार के उपन्यास 'त्यागपत्र', हिंदी कहानियों - नमक का दारोगा, आकाशदीप, परदा, वापसी और हिंदी निबंधों - लोभ और प्रीति, कुटज, संस्कृति और शिक्षा तथा भूमंडलीकरण की तात्विक समीक्षा करने में सक्षम होंगे और इन रचनाओं का सार भी बता पाएँगे। इसके अलावा इन रचनाओं के लेखकों के व्यक्तित्व और कृतित्व पर भी प्रकाश डाल पाएँगे।
कार्यालयी हिंदी (SEC-1)	HIND204	4	विद्यार्थी हिंदी भाषा के विविध रूपों यथा राष्ट्रभाषा, राजभाषा, जनभाषा, संचार भाषा, सर्जनात्मक भाषा और यांत्रिक भाषा में समानता और अंतर बता पाएँगे तथा टिप्पण, प्रारूपण, पल्लवन, संक्षेपण, पत्राचार, कार्यालयी हिंदी और कार्यालयी अनुवाद की प्रक्रिया तथा कठिनाइयों का विश्लेषण भी कर पाएँगे।
अनुवाद विज्ञान (SEC-2)	HIND206	4	विद्यार्थी भाषान्तरण, भावानुवाद, छायानुवाद, आशु अनुवाद, डबिंग, कंप्यूटर अनुवाद आदि में साम्य और अंतर बता पाएँगे। वे अनुवाद के विविध रूपों काव्यानुवाद, कथानुवाद, नाट्यानुवाद की विशेषताएँ बता सकेंगे तथा अनुवाद की विधि, अनुवादक की अर्हता, विश्व की प्रसिद्ध अनूदित कृतियों और भारत के प्रमुख अनुवाद प्रशिक्षण केंद्रों के संबंध में भी तथ्यात्मक जानकारी प्रस्तुत कर सकेंगे।

Principal
GDC Nirmand

स्नातक तृतीय वर्ष का पाठ्यक्रम

कोर्स का नाम	कोड	क्रेडिट	ध्येय/उद्देश्य/परिणाम
रंग आलेख एवं रंगमंच (SEC-3)	HIND301	4	विद्यार्थी रूपक, उपरूपक, एकांकी, लोकनाट्य, प्रहसन, काव्यनाटक, नुक्कड़ नाटक, प्रतीक नाटक, भावनाट्य, रेडियो नाटक को परिभाषित कर सकेंगे व हिंदी के प्रमुख नाटककारों, हिंदी के शौकिया व व्यावसायिक रंगमंचों, हिंदी क्षेत्र की प्रसिद्ध रंगशालाओं, रंग शिल्प प्रशिक्षण और रंग समीक्षा के संबंध में तथ्यों व परंपराओं का विश्लेषण कर सकेंगे।
समाचार संकलन और लेखन (SEC-4)	HIND304	4	विद्यार्थी समाचार की परिभाषा, संरचना और स्रोतों के विषय में बता सकेंगे। वे खोजी, व्याख्यात्मक और अनुवर्तनात्मक रिपोर्टिंग के साथ-साथ राजनीति, विज्ञान, कानून, साहित्य, संस्कृति, खेलकूद, पर्यावरण आदि से संबंधित रिपोर्टिंग का विश्लेषण कर सकेंगे और समाचार के क्षेत्र में लीड तथा शीर्षक के प्रकारों व उनके महत्व के बारे में भी विचार अभिव्यक्त कर पाएँगे।
लोक साहित्य (DSE-1A)	HIND305	6	विद्यार्थी लोक साहित्य की अवधारणा को स्पष्ट कर सकेंगे और लोकगीत, लोकनाट्य, लोककथा, लोकगाथा के विविध रूपों के उदाहरण प्रस्तुत कर सकेंगे। इसके साथ ही वे हिमाचल प्रदेश की प्रसिद्ध लोकगाथाओं - भरथरी, गुग्गा, गढ़ मलौण, मदना की हार, सूही रानी, राजा जगत सिंह, सुन्नी भूंकु व कुंजू-चंचलो का कथासार भी बता सकेंगे।
छायावादोत्तर हिंदी साहित्य (DSE-1B)	HIND306	6	विद्यार्थी छायावादोत्तर काल के विख्यात कवियों अज्ञेय, मुक्तिबोध, नागार्जुन, शमशेर बहादुर सिंह, भवानी प्रसाद मिश्र, कुँवर नारायण, सर्वेश्वर, केदारनाथ सिंह के व्यक्तित्व और कृतित्व से संबंधित तथ्य प्रस्तुत कर सकेंगे, इनकी काव्यगत विशेषताओं के कुछ उदाहरण बता सकेंगे। इसके साथ-साथ इनकी कुछ प्रसिद्ध कविताओं की सप्रसंग व्याख्या भी कर सकेंगे।
आधुनिक भारतीय साहित्य (GE-1)	HIND307	6	विद्यार्थी भारतीय नवजागरण के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और भारतीय साहित्य पर पड़े प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे। वे गांधी व अरविंद दर्शन के साथ साथ मार्क्सवाद और अस्तित्ववाद के भारतीय साहित्य पर प्रभाव का

Principal
GDC Nirmand

			विवेचन कर सकेंगे। इसके अलावा 'संस्कार' उपन्यास और 'घासीराम कोतवाल' नाटक की तात्विक समीक्षा कर सकेंगे और गीतांजलि के कुछ पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कर सकेंगे।
सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र (GE-2)	HIND308	6	विद्यार्थी रिपोर्ताज और फीचर लेखन को परिभाषित कर सकेंगे व इनकी विशेषताओं का विश्लेषण कर सकेंगे। इसके अलावा साक्षात्कार, स्तंभ लेखन, छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि की उपयोगिता का विवेचन कर सकेंगे। वे बाज़ार, खेलकूद, फ़िल्म, पुस्तक और कला समीक्षा के अलावा आर्थिक, खेल, ग्रामीण, विकास और फोटो पत्रकारिता की विशेषताएँ भी बता सकेंगे।

Principal
GDC Nirmand

हिंदी विभाग
राजकीय महाविद्यालय निरमंड
ज़िला कुल्लू